विद्या भवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय।

कक्षा :- षष्ठ विषय :- संस्कृत

विषय शिक्षिका :- भारती कुमारी दिनांक :- 23-05-2020

पाठ :- 1

प्यारे बच्चों ! आप लोगों ने नयी पुस्तक संस्कृत व्याकरण के वर्ण विचार पाठ से स्वर और व्यंजन को पढ़कर समझा। आज हम लोग वर्ण के विच्छेद एवं संयोग के बारे में समझेंगे एवं प्रश्न को बनाएंगे।

वर्ण विन्यास एवं वर्ण संयोजन

वर्ण विन्यास :- किसी भी शब्द से सभी वर्णों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को ' **वर्ण विन्यास** ' अथवा ' **वर्ण विच्छेद** ' कहते हैं।

उदाहरण -

रामः :- र् + आ + म् + अः

देवः :- द् + ए + व् + अः

पुस्तकम् :- प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म्

विद्यालयः :- व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अः

महात्मा :- म् + अ + ह् + आ + त् + म् + आ

कृष्णः :- क् + ऋ + ष् + ण् + अः

श्रावकः :- श् + र् + आ + व् + अ + क् + अः

उष्ट्र :- उ + ष् + ट् + र् + अः

वर्ण संयोजन :- दिए गए वर्णों को परस्पर जोड़कर लिखने की प्रक्रिया को ' **वर्ण संयोजन** ' कहते हैं।

उदाहरण -

श् + इ + व् + अः :- शिवः

प् + र् + आ + र् + थ् + अ + न् + आ :- प्रार्थना

म् + अ + ह् + ए + न् + द् + र् + अः :- महेन्द्रः

ज् + ञ् + आ + न्+ अ + म् :- ज्ञानम्

स् + ऋ + ष् + ट् + इः :- सृष्टिः

- **निम्न का वर्ण विच्छेद करें - (उदाहरणों की मदद से इनका वर्ण विच्छेद करें)**

(क) वानरः

(ख) नारी

(ग) विद्या

(घ) महिला

(ङ) लेखनी

(च) कृषक

(छ) चिकित्सक

(ज) कपोतः

(झ) नारायणः

(ञ) हिमालयः